राष्ट्रीय सहारा 23 जून 2015

उद्योग की कार्यकुशलता के लिए प्रशिक्षण जरूरी : मंडलायुक्त

- राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला शुरू
- मेंटीनेंस सुधार से चीनी मिलों में 'जीरो ब्रेकडाउन' की स्थिति संभव

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में सेमिनार को संबोधित करते मंडलायुक्त मो. इफ्तिखारुद्दीन। *फोटो : एसएनबी*

कानपुर (एसएनबी)। मंडलायुक्त इफ्तिखारुद्दीन ने सोमवार को राष्ट्रीय शर्करा संस्थान (एनएसआई) में पांच दिवसीय कौशल विकास सह प्रशिक्षण कार्यशाला का उद्घाटन किया। कार्यशाला में भाग ले रहे प्रतिभागियों को 26 जून तक चलने वाले इस कार्यक्रम के तहत चीनी उद्योग मशीनरी के मेंटीनेंस का सैद्धांतिक व व्यवहारिक ज्ञान कराया जायेगा। इस मौके पर मंडलायुक्त ने कहा कि उद्योग की कार्यकुशलता के लिए संबद्ध कर्मियों को तकनीकी प्रशिक्षण दिया बहुत जरूरी है। उन्होंने उम्मीद जतायी कि एनएसआई के इस प्रयास से चीनी उद्योग को और कार्यकुशल बनाया जा सकेगा।

एनएसआई के निदेशक नरेन्द्र मोहन ने बताया कि यह प्रशिक्षण कार्यशाला आईटीआई व पोलीटेक्निक पास विद्यार्थियों व चीनी मिलों कार्यरत तकनीकी कर्मचारियों के लिए आयोजित की गयी है। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षणार्थियों को संस्थान के एक्सपेरिमेंटल सुगर फैक्ट्री में मशीनों के रखरखाव व उसे और कार्यकुशल बनाने का व्यवहारिक ज्ञान कराया जायेगा। चीनी मिलों की प्रमुख समस्या रखरखाव कार्य में काफी समय लगना है। इससे कई बार सीजन में पेराई कार्य भी बाधित होता है। उन्होंने कहा कि संस्थान ऐसी मेंटीनेंस तकनीक पर काम कर रही है, जिससे चीनी मिलों में 'जीरो ब्रेकडाउन' की स्थिति आसानी से लायी जा सकता है। मशीनरी की कार्यकुशलता से उत्पादन लागत को भी कम करना संभव हो सकेगा।

कार्यशाला को सुगर टेक्नालाजी विषय असिस्टेंट प्रोफेसर डा.जहार सिंह व संजय चौहान ने भी संबोधित किया। संस्थान के असि.प्रोफेसर बायोकेमेस्ट्री संतोष कुमार ने बताया कि पांच दिनों तक चलने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षणार्थियों को चीनी उद्योग मशीनरी व उसके रखरखाव का सम्पूर्ण व्यवहारिक ज्ञान कराया जायेगा।

i next 23 जून 2015

चौबीस घंटे चलनी चाहिए चीनी मिलें

नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट में मिल के टेक्निकल स्टाफ की ट्रेनिंग

KANPUR (22 June): इंडियन शुगर इंडस्ट्री के लिए चीनी मिलों का 24 घंटे न चलना एक बड़ी समस्या है. टेक्नोलॉजी दिन पर दिन बेहतर हो रही है, लेकिन अभी तक चीनी मिल के 2 घंटे के ब्रेक डाउन को खत्म नहीं किया जा पाया है. मिल में 24 घंटे में दो घंटे का ब्रेक डाउन होता ही है. इस समस्या का अभी तक टेक्नोलॉजिकल सॉल्यूशन नहीं मिला है. जो चिंता का विषय है. इस पर सभी को मिल जुलकर प्रयास करना होगा. यह विचार ट्रेनिंग प्रोग्राम के इनॉग्रेशन के मौके पर शुगर इंस्टीट्यूट के डायरेक्टर प्रो. नरेन्द्र मोहन ने व्यक्त किए.

दूसरे प्रोडक्ट भी बनाएं

पांच दिवसीय ट्रेनिंग प्रोग्राम का इनॉग्रेशन चीफ गेस्ट कमिश्नर कानपुर जोन मो. इफ्तखारुद्दीन ने इंस्टीट्यूट के सेमिनार हॉल में दीप जलाकर किया. चीफ गेस्ट ने कहा कि यूपी में शुगर इंडस्ट्री बहुत है. अब फोकस इस बात पर करना चाहिए कि मिल में चीनी के अलावा जो अन्य प्रोडक्शन हो सकता हो, उसपर फोकस किया जाए. एल्कोहल पर फोकस किया जाना चाहिए, जिसकी डिमांड लगातार बढ़ रही है.

आज 23 जून 2015

चीनी कारखानों को शून्य ब्रेकडाउन से बढ़ेगी उत्पादकता

कानपुर, 22 जून। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान की ओर से बेसिक्स आफ शुगर फैक्ट्रीज मशीनरी एण्ड एक्यूपमेंट मेंटीनेन्स विषय पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण एवं स्किल डेवलपमेन्ट कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए मण्डलायुक्त इफ्तिखारुद्दीन ने कहाकि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभागियों के लिए अत्यन्त लाभप्रद होगा

● उत्पादों के विस्तारीकरण की योजना में सहयोग दें संस्थान

और इससे चीनी और सह उद्योगों में रोजदार दिलाने में मदद मिलेगी। चीनी मिलों के तकनीकि रखरखाव के साथ ही संस्थान चीनी मिलों को अन्य उत्पादों हेतु विस्तारीकरण की योजना बनाने में अपना मार्गदर्शन भी प्रदान करेगा। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रुप में संस्थान के निदेशक नरेंद्र मोहन ने चीनी एवं एल्कोहल उद्योग के घरेलू एवं अन्तर्राष्ट्रीय परिदृश्य के बारे में जानकारी देते हुए कहाकि देश में आज भी चीनी कारखानों की वर्किंग क्षमता को २२ घंटे प्रतिदिन आंका जाता है। दो घंटे का ब्रेक डाउन माना जाता है। चीनी मिलों के उपकरणों के समुचित रखरखाव की रुपरेखा के चलते चीनी कारखानों को शून्य ब्रेकडाउन पर चलाकर लागत घटाने और उत्पादकता में बढोत्तरी होगी। डा. जाहर सिंह ने अपने व्याख्यान में गन्ने के रस से चीनी बनाने में उपयोग में आने वाले विभिन्न उपकरणों की रुपरेखा प्रस्तुत की। दोपहर बाद प्रतिभागियों को पांचों ग्रुपों में संस्थान की शर्करा प्रयोगशाला में प्रायोगिक प्रशिक्षण दिया गया जिसमें मिल, ब्वायलर के रखरखाव, क्लेरिफिकेशन एवं क्रिस्टलाइजेशन हाउस की संरचना, विभिन्न मोटरों, स्टार्टर, केबिल्स, बिजली के उपकरणों की टेस्टिंग, पम्प एवं वाल्वो की संरचना, वेल्डिंग एवं फैब्रीकेशन आदि के बारे में विस्तार से जानकारियां दी गयी। सहायक आचार्य संजय चौहान ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया।

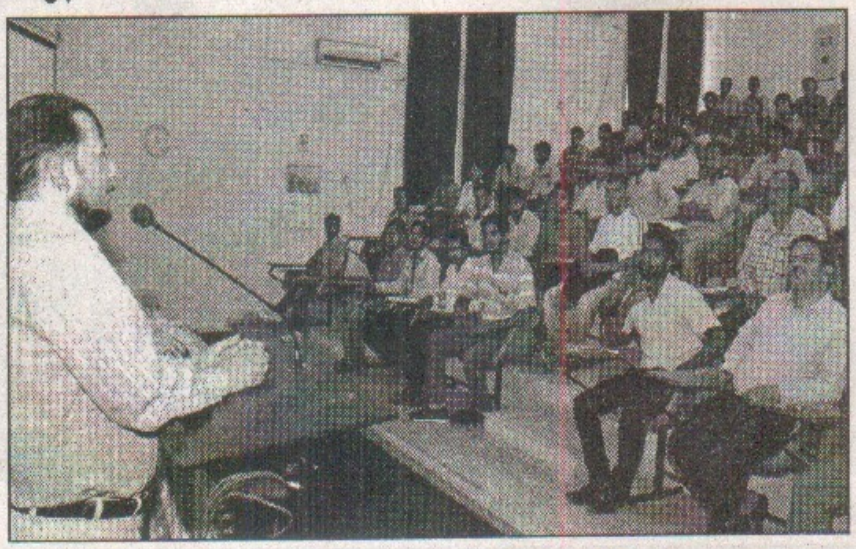

कार्यक्रम को संबोधित करते मण्डलायुक्त मो. इफ्तिखारुद्दीन। छाया : आज

हिन्दुस्तान 23 जून 2015

एनएसआई में शुरू हुआ स्किल डेवलपमेंट कोर्स

कानपुर। देश की 525 चीनी मिलें साल भर में दो हजार करोड़ रुपए केवल रिपेयरिंग में खर्च करती हैं। चीनी मिलें साल में केवल 120 दिन चलती हैं और शेष दिनों में इसकी रिपेयरिंग चलती है। प्रतिदिन भी 24 में से 22 घंटे की यह मिलें चलाई जाती हैं। इसकी वजह स्किल्ड (दक्ष) कर्मचारियों की कमी है। इसकी भरपाई के लिए सोमवार से राष्ट्रीय शर्करा संस्थान (एनएसआई) में पांच दिवसीय स्किल डेवलपमेंट कोर्स शुरू किया गया है। मण्डलायुक्त इफ्तिखारुद्दीन ने कहा कि इस तरह के कोर्स से उत्पादकता बढ़ेगी और रोजगार के रास्ते भी खुलेंगे। संस्थान के निदेशक प्रोफेसर नरेन्द्र मोहन ने कहा कि चीनी मिलें साल में 180 दिन तक चल सकें और रोज केवल रिपेयरिंग के नाम पर दो घंटे न बन्द रहें इसके लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इनमें 100 अभ्यर्थी भाग ले रहे हैं।

नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट में स्किल डेवलेपमेंट कोर्स का शुभारंभ कमिश्नर ने किया।

HINDUSTAN TIMES 23 JUNE 2015

NSI workshop to train technical staff to reduce machine failures

HT Correspondent
htcity.kanpur@hindustantimes.com

KANPUR: The National Sugar Institute (NSI) has organised a six-day skill development and training workshop for the technical staff of sugar factories and students of the Industrial Training Institutes (ITI) and polytechnics.

Divisional commissioner Mohd Iftikharuddin inaugurated the event on Monday that saw participation of about 100 trainees– 25 members of technical staff of sugar factories and 75 students from different ITIs, including six girls.

Speaking on the occasion, NSI director Dr Narendra Mohan said, the workshop was aimed to apprise the technical staff of the methods to ensure zero breakdown of machineries at the sugar factories during the main crushing season.

"It is surprising that the sugar factories remains inoperative for about 245 days in a year and go through thorough maintenance and repairing process in that period but when the crushing season starts they develop snags. This causes heavy production losses," the director said.

"Our aim is to train the technical staff of the sugar factory through theoretical lectures and practical working at the sugar factory of the NSI situated in the campus in such a manner that they could check the breakdowns of the machinery in the crushing season," said Dr Mohan.

Iftikharuddin said such workshops were essential especially for the state as there were several sugar factories here and more production will benefit the state and its economy.

अमर उजाला 23 जून 2015

'ब्रेक डाउन के बगैर चल सकती है शुगर फैक्ट्री'

अमर उजाला ब्यूरो

कानपुर। चीनी मिलों की वर्किंग क्षमता 22 घंटे है। दो घंटे का ब्रेकडाउन रहता है। इस प्रक्रिया में बदलाव संभव है। ब्रेक डाउन शून्य किया जा सकता है। इससे चीनी मिलों का कामकाज आसान होगा। प्रोडक्शन बढ़ जाएगा। यह जानकारी नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट (एनएसआई) में सोमवार से शुरू हुए प्रशिक्षण एवं स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम में निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने दी। बेसिक्स ऑफ शुगर फैक्ट्रीज मशीनरी मेंटिनेंस का प्रशिक्षण 26 जून तक चलेगा। इसमें आईटीआई, पालीटेक्निक से डिप्लोमा करने वाले सौ स्टूडेंट हिस्सा ले रहे हैं।

इससे पहले प्रोग्राम का उद्घाटन कमिश्नर मोहम्मद इफ्तिखारुद्दीन ने किया। निदेशक ने कहा प्रशिक्षणार्थियों को पहले मिल एवं ब्वायलर के रखरखाव, क्लियरिफिकेशन एवं क्रिस्टलाइजेशन हाउस की संरचना, विभिन्न मोटर, स्टार्टर, केबिल, बिजली के उपकरणों की टेस्टिंग, पंप, वाल्व की संरचना, वेल्डिंग और फ्रैबिक्रेशन की जानकारी दी गई है। इस मौके पर डॉ. संतोष कुमार, डॉ. जाहर सिंह मौजूद रहे।